মুসনাদে আহমাদ

হাদিস নাম্বারঃ ৭৩৩

মুসনাদে আলী ইবনে আবি তালিব (রাঃ) [আলীর বর্ণিত হাদীস] (مسند علي بن أبي طالب)

আরবী

حَدَّثَنَا وَكِيعٌ، حَدَّثَنَا الْأَعْمَشُ، عَنْ مُسْلِمٍ الْبَطِينِ، عَنْ عَلِيِّ بْنِ الْحُسَيْنِ، عَنْ مَرْوَانَ بْنِ الْحَكَمِ، قَالَ: كُنَّا نَسِيرُ مَعَ عُثْمَانَ، فَإِذَا رَجُلٌ يُلَبِّي بِهِمَا جَمِيعًا، فَقَالَ: عُثْمَانُ: مَنْ هَذَا؟ فَقَالُوا: عَلِيٌّ. فَقَالَ: أَلَمْ تَعْلَمْ أَنِّي قَدْ نَهَيْتُ عَنْ هَذَا؟ قَالَ: " بَلَى، وَلَكِنْ لَمْ أَكُنْ لِأَدَعَ قَوْلَ رَسُولِ اللهِ صَلَّى اللهُ عَلَيْهِ وَسَلَّمَ لِقَوْلِكَ

إسناده صحيح على شرط البخاري، رجاله ثقات رجال الشيخين غير مروان بن الحكم، فمن رجال البخاري. الأعمش: هو سليمان بن مِهران، ومسلم البَطين: هو مسلم بن عمران البَطين، وعلي بن الحسين: هو ابن علي بن أبي طالب الهاشمي زين العابدين
وأخرجه أبو يعلى (349) و (609) من طريق وكيع، بهذا الإسناد
وأخرجه البزار (515) و (516) ، والنسائي 5/148 من طرق عن الأعمش، به. وقد تحرف في المطبوع من النسائي "الأعمش" إلى: الأشعث، ويصحح من "تحفة الأشراف" 7/446
وأخرجه البزار (517) من طريق يزيد بن أبي زياد، عن علي بن الحسين، به
وسيأتي برقم (1139)

বাংলা

৭৩৩। মারওয়ান বিন হাকাম বলেছেন, আমরা উসমান (রাঃ)-এর সাথে ভ্রমণ করছিলাম। সহসা এক ব্যক্তিকে দেখলাম, হজ্জ ও উমরা উভয়ের জন্য তালবিয়া পড়ছে। উসমান (রাঃ) বললেনঃ এই ব্যক্তি কে? লোকেরা বললোঃ আলী (রাঃ)। উসমান (রাঃ) বললেনঃ তুমি কি জানতে না আমি এক সাথে হজ্জ ও উমরার তালবিয়া পড়তে নিষেধ করেছি? আলী (রাঃ) বললেনঃ জানতাম। কিন্তু আপনার কথার জন্য আমি রাসূলুল্লাহ সাল্লাল্লাহু আলাইহি

ওয়াসাল্লামের কথা বর্জন করতে প্রস্তুত নই।

[বুখারী ১৫৬৩, মুসনাদ আহমাদ ১১৩৯]

হাদিসের মান: সহিহ (Sahih) পুনঃনিরীক্ষণ বাকি

পাবলিশারঃ বাংলাদেশ ইসলামিক সেন্টার

Link — https://www.hadithbd.com/hadith/link/?id=63744

হাদিসবিডির প্রজেক্টে অনুদান দিন